जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

Helpline No.:-(+91)-

मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड़, जयपुर (राज॰) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई–मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स: 0141-2850551–75

क्रमांक: प(2185)/जरारासंविवि/साप्र0/2026/

दिनांक:–

M/S Venus Creation
C-4/A Vidhan Sabha Colony,
Devdhara Colony, Murlipura,
Scheme, Jaipur- 302039
Mob.No- 9928555002, 9887555002
Email ID:- venuscreation.jaipur@gmail.com

विषयः– राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 29(i) अनुसार कार्यादेश में तीन माह की अभिवृद्धि करने बाबत्।

सन्दर्भः– विश्वविद्यालय द्वारा जारी आदेश क्रमांक 8436–39 दिनांक 16.03.2024 की निरन्तरता में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत एवं संदर्भित आदेश के क्रम में लेख है कि विश्वविद्यालय में समय समय पर आवश्यकतानुसार टेन्ट/शामियाना इत्यादि सेवाऐं उपलब्ध कराने हेतु कार्यादेश जारी किया गया था। उक्त आदेश की पालना में आपसे हुए अनुबंध अनुसार विश्वविद्यालय में समय–समय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों हेतु आवश्यकतानुसार टेन्ट/शामियाना उपलब्ध कराये गये हैं।

अतः उक्त पूर्व में जारी कार्यादेश की सभी सेवाशर्ते यथावत् रखते हुये निविदाशर्तानुसार पूर्व में जारी आदेश की निरन्तरता में एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 29(i) अनुसार उक्त आदेश तीन माह (दिनांक 16.03.2026 से 15.06.2026) तक अथवा नवीन निविदा कार्य पूर्ण होने तक जो भी पहले हो के लिए बढ़ाया जाता है।

उक्तानुसार सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु पूर्व में जारी आदेशों की पूर्ण पालना करने की जिम्मेदारी आपकी फर्म की होगी। अन्य शर्तें मूल करार/अनुबंध व उपापन की शर्तों के अनुरूप पूर्वानुसार रहेगी।

उक्त आदेश सक्षम स्तर द्वारा अनुमोदित है।

कुलसचिव
जरारासंविवि, जयपुर
दिनांक: 26/2/26

क्रमांक: प(2185)/जरारासंविवि/साप्र0/2026/7017-20
प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. निजी सचिव, कुलगुरु महोदय, जरारासंविवि, जयपुर।
2. आहरण एवं वितरण अधिकारी, जरारासंविवि, जयपुर।
3. प्रभारी वेबसाईट, जरारासंविवि, जयपुर को प्रेषित कर लेख है कि उक्त कार्यादेश को बोली क्रमांक 18/2023–2024 के क्रम में E-Proc/SPPP/University website पर आज ही अपलोड करावें।
4. सहायक कुलसचिव बैठक शाखा, जरारासंविवि, जयपुर को प्रेषित कर लेख है कि आगामी कार्यपरिषद् में अनुमोदन हेतु रखें।

कुलसचिव
जरारासंविवि, जयपुर